Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

छिरकानी ग्लेशियर के खिसकने से बढ़ी मुश्किले

आईटीबीपी व सेना बीआरो की चौकियों पर रसद पूर्ति का खतरा मंडराया

दिक्कतें

■तीन सौ ग्रमीण रास्ते में ही फंसे

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। बीते दिनों नंदाष्टमी पूजा के लिए मुनस्यारी सहित आसपास के ग्रमीण अपने उच्च हिमालयी मूल गांव लास्पा,र्ल्वा मर्तोली,मिलम पांछू,गनघर,खैलाच,टोला बुर्फु ,बिल्जू गये थे। पूजा करने के बाद ग्रमीणों को बीते सोमवार देर सांय लौटना शुरू हुए उसी बीच ग्लेशियर खिसकने से रास्ते में अभी भी करीबन तीन सौ ग्रमीणों के फंसे होने की जानकारी मिल रही है। मल्ला जोहार विकास समिति ने इसकी सूचना देते हुए प्रशासन से ग्लेशियर को हटाने की मांग की है। सीमांत में ऐसा पहली बार हुआ ।

जानकारी के मुताबिक मुंसयारी मिलम मार्ग पर करीब छतीस किमी दूर छिरकानी के पास पूर्व में ग्लेशियर मई माह व जून में टूटते थे। इससे ग्रीष्मकाल में माइग्रेशन

प्रभावित होता था। दूसरी ओर अगस्त माह में ग्लेशियर टूटकर मुंसयारी कमलम मार्ग तक पहुंचने की जानकारी हाथ लगी है। बता दें कि ग्लेशियर के खिसकने से चीन सीमा से संपर्क भंग हो गया है। वही इसका सीधा असर आईटीबीपी की चौकियों व सेना के कैपों पर ज्यादा पड़ने की संभावना बन गई है। पिथौरागढ जनपद से एक सौ सत्तर किमी दूरी पर करीबन चौदह गांवों का संपर्क टूटने के साथ ही रास्ते में तीन सौ ग्रमीणों के फंसे होने की सूचना मिली है। आलम यह है कि सेना के जवानों को रसदपूर्ति के लिए परेशान होना पड रहा है। क्षेत्रीय प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार यह मार्ग पिछले डेढ़ माह से बंद पडा हुआ है। यहां पर लंबे समय से वाहनों से आवाजाही बिल्कुल भी संभव नही हो पा रही है। ग्रमीण और चीन सीमा पर तैनात जवानों को खच्चर की मदद से जरूरती सामान की पूर्ति की जाती थी। छिरकानी में ग्लेशियर के खिसकने के बाद से इलाके में आवाजाही पूरी तरह से बंद हो चुकी है। इस मार्ग को खोलने में दो या चार दिन का समय लगने के आसार बन गये है।

प्रशासन के निदेंश पर लोक निर्माण विभाग की गैग को मौके पर मार्ग खोलने के लिए भेजे जाने की सूचना मिली है। लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता मुंसयारी उपखंड ने बताया कि मार्ग पर ग्लेशियर के गिरने की सूचना मिलते ही मौके पर लोनिवि की टीम को इलाके में भेज दिया गया है। मार्ग को खोलने में दो दिन या इससे ज्यादा वक्त लगने के आसार है। रास्तों में फंसे ग्रमीणों के फसे होने की जानकारी भी मिली है।

न्यूज डायरी

हिमवीरो ने पेश की मिशाल

संवाददाता पिथौरागढ़। तहसील बंगापानी के मवानी दवानी गांव के निवासी भूपेन्द्र सिह उम्र तीस साल पुत्र गोविन्द सिह राणा की मिलम क्षेत्र में पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से मौत हो गई थी। बता दें कि मुनस्यारी मिलम मार्ग बंद होने से शव को परिजनों द्वारा मुनस्यारी ला पाना संभव नही हो पा रहा था। क्षेत्र में फिर एक बार चौदवही वाहनी आईटीबीपी के हिमवीर जवानों ने बहादुरी की मिशाल कायम की है। मौके पर मौजूद क्षेत्र में आईटीबीपी के जवानों ने लगभग 40 किमी पैदल चलकर स्थानीय बुगडियार तक मत्तक युवक का शव पहुंचाया। सीमांत में इस समय जगह बरसाती गधेरे व उफनाते नालों के बहने के कारण जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर बहादुरी की मिशाल पेश की है।

युवती का मर्डर कर भागने चाला आरोपी अब तक नही चढ़ा पुलिस के हत्थे

संवाददाता पिथौरागढ़। सीमांत तहसील पिथौरागढ़ के नेपाल सीमा से लगे इलाके झूलाघाट क्षेत्र के ज्यल गांव में प्रेम प्रसंग में धोखा मिलने पर युवती की खेत में धारदार हथियार से गला काटकर भागा आरोपी अभी भी दो रोज बीतने के बाद भी पुलिस की गिरफ्त में नही आ पाया है। जगह जगह अरोपी युवक की तलाश की जा रही है। ग्रमीणों ने शक जाहिर किया है कि आरोपी युवक युवती की हत्या करने के बाद काली नदी में छलांग लगाकर नेपाल भाग गया है या घने जंगल के भीतर छिपकर अभी भी कही ना कही छुपा हुआ है। पुलिस अधिक्षक प्रीति प्रियदर्शनी ने मौके पर आरोपी युवक की धर पकड़ करने के लिए एसओजी टीम पर झूलाघाट पुलिस व जिले के पुलिस क्षेत्राधिकारी को हत्यारे की तलाश में सघन जांच में लगा दिया है। पुलिस थानाध्यक्ष तारा सिह राणा ने कहा आरोपी युवक जल्द ही पुलिस के हत्थे चढ़ जायेगा।

गूगल असिस्टेंट पर एआई–पावर्ड वॉयस चैटबॉट लॉन्च

संवाददाता देहरादून। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने गूगल असिस्टेंट पर कस्टमर सर्विस चौटबोट लीगो की शुरुआत की है। इस सुविधा के माध्यम से कंपनी के पॉलिसी धारक ओके गूगल, आई वांट टू स्पीक टू आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ लीगो, 'मेय आई टॉल्क टू आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ लीगो' जैसे सरल वॉयस कमांड्स देकर अपने सवालों के जवाब हासिल कर सकते हैं।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाते हुए कंपनी ने अपने इनोवेशन पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए अपने ग्राहकों के लिए एक और सुविधा उपलब्ध कराई है।

चीनी सैनिकों से झड़प के बाद लिपुलेख में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर

संवाददाता पिथौरागढ़। लद्दाख में चीनी सैनिकों की गतिविधियां बढ़ने के बाद पिथौरागढ़ के लिपुलेख में सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा बढ़ा दी है। सुरक्षा एजेंसिया हाई अलर्ट पर आ चुकी है। लद्दाख में चीनी सैनिको के साथ हो रही झडप और विवाद के बाद लिपुलेख में सुरक्षा के इंतजाम और भी पुख्ता कर दिये गये है। पिछले कुछ सप्ताहों के भीतर चीनी सैनिकों द्वारा झंड़े लहराने संकेत मिले थे। वही सीमा पर तनाव बढ़ने के आसार दिखने की स्थिति बनते नजर आई तो पिथौरागढ जनपद की लिपुलेख सीमा पर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने तनाव के बीच ऐसी परिस्थतियों में डाक स्कावयड की मदद लेकर सुरक्षा और भी तेज कर दी है। वही लिपुलेख में पूरी तरह से सेना के जवान चप्पे पर मौजूद हैं।

सेनर व प्यांगती के 46 परिवार एक माह से गांव में है कैद

संवाददाता

मांगः सरकार हमारा सुरक्षित स्थान में पुर्नवास करें

मुनस्यारी। आपदाग्रस्त सेनर व प्यांगती के 46 परिवार एक माह से गांव में कैद है। राशन ले जाने के लिए पैदल रास्ता तक नहीं है। दोनों गांवो में आपदा प्रभावितों का राशन आदि दैनिक उपयोग की सामाग्री खत्म हो गई है। प्रभावितों ने कहा कि अब हम इस खतरे में नहीं रह सकते है इसलिए सरकार हमारा सुरक्षित स्थान में पुर्नवास करें।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया मंगलवार को ग्राम प्रधान व विकास खंड के अधिकारियों के साथ गांव पहुंचे। पैदल रास्ते का हाल देखकर वह स्वंय हैरान हो गए। सेनर में तीन घर ध्वस्त हो गए है। शेष कोई ऐसा घर नहीं है , जो खतरे में न हो। लड़ीग्वार में चौड़े दरार पड़ गए है, जो बड़े खतरे का संकेत दे रहे है। प्यांगती के 89 साल के लछम सिंह पाना ने बताया कि पहली बार इस तरह के आपदा के मंजर को देखा, 18 से 20 जुलाई को हुई विनाशकारी बारिश के समय मौत को सामने से गुजरते हुए देखा।

जिपं सदस्य ने आपदा से हुए नुकसान को देखने के लिए 14 किमी की कठिन पैदल यात्रा की। दोनों गांवो में बैठक कर आपदा प्रभावितों की समस्याओं से रुबरु हुए। मर्तोलिया ने मौकै पर ही लोनिवि के ईई से बात कर तीन दिन के भीतर पैदल मार्ग को घोड़े खच्चर चलने लायक बनाने का काम शुरु करने को कहा। ग्राम विकास अधिकारी नरेन्द्र कुमार को मनरेगा व राज्य वित्त से आंतरिक पैदल मार्गो को खोलने के लिए तत्काल प्रभाव से काम शुरु करवाने के लिए कहा। पेयजल की परेशानी को देखते हुए जल संस्थान के ईई से बात कर पानी की व्यवस्था दुरस्थ करने को कहा।
मर्तोलिया ने बताया कि सेनर का भू–गर्भीय सर्वे होने के बाद पुर्नवास के लिए संस्तुति हो गई थी, लेकिन फाइल दबी हुई है, इस पर वे सरकार से बात करेंगे। इस बार भू–गर्भीय सर्वे कराने के लिए आदेश जारी कर दिया गया है।

सरकार को चिकित्सकों का एक सप्ताह का अल्टीमेटम

संवाददाता हरिद्वार। प्रान्तीय चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा संघ के आह्वान पर मंगलवार को जिला अस्पताल हरिद्वार के चिकित्सकों ने काला रिबन बांध कर लंबित अपनी मांगों पर कार्यवाही न होने से नाराज होकर विरोध दर्ज कराते हुए कार्य किया। चिकित्सकों का विरोध 01 सितम्बर से 07 सितम्बर तक जारी रहेगा। यदि सरकार द्वारा चिकित्सकों की लंबित मांगों पर गम्भीरता नहीं दिखाई तो स्वास्थ्य सेवा संघ ने 08 सितम्बर को सामूहिक त्यागपत्र देने की ऐलान किया है। स्वास्थ्य सेवा संघ हरिद्वार अध्यक्ष डॉ. शशीकांत ने कहा कि कोरोना काल के दौरान चिकित्सकों ने अपने परिवार की चिंता किये बिना अपने कर्त्तव्यों का पालन कर बड़ी निष्ठा के साथ मरीजों की सेवा में दिन रात जुटे रहे। कोरोना काल में अपनी सेवाएं दे रहे चिकित्सकों को देश के विभिन्न प्रान्तों की सरकारों द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। लेकिन उत्तराखण्ड में चिकित्सकों को प्रोत्साहन राशि देने के बजाय हर माह एक दिन का वेतन काटा जा रहा है।